बेटी को लेकर अपनी सोच बदलने की जरूरत : एसडीएम

गोहाना बीपीएस महिला विवि में गुरुवार को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्त्री पुरुष समानता में नागरिक दायित्व विषय पर राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय ने कहा कि बेटी के जन्म से पहले हमारे भीतर जो सोच होती है, अब उस सोच को बदलने की जरूरत है। यदि महिलाओं को बराबरी का अवसर मिलेगा तो अवश्य ही प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति करेंगी। वर्तमान समय में बेटी-बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान ने बेटियों के प्रति समाज की सोच को बदला है। पहले लोग बेटियों को पढ़ाने व खेलों में भेजने का परहेज करते थे लेकिन आज हर परिवार अपने बेटी को बेटों के समान अधिकार देता है। लेखक चन्द्रभूषण ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों की समझ होना अति आवश्यक है। जब वो अपने अधिकारों को समझेगी और निर्भय होकर अपनी बात कहेगी तभी उनके साथ न्याय होगा। इस अवसर पर सीडीपीओ गीता गहलावत, निर्मला, सुशीला, जसवंती, राजीव रंजन, एसएचओ महिपाल सिंह, दुर्गा शक्ति वाहनी एसएचओ सुदेश रानी, चंद्र भूषण आदि उपस्थित थे।

Scanned with CamScanner

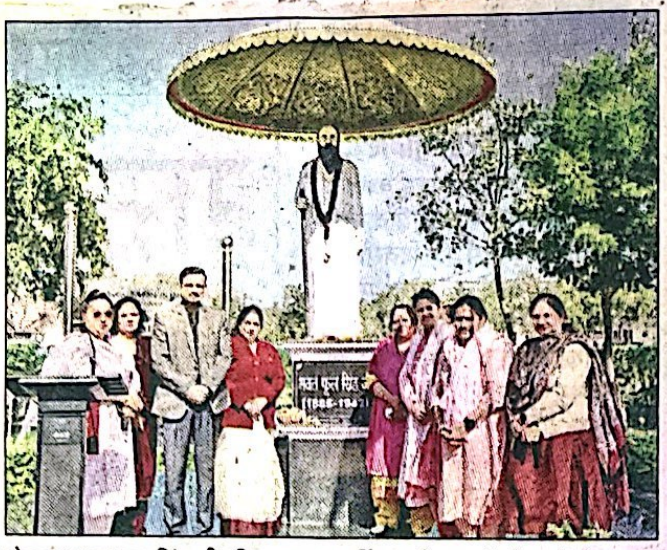

गोहाना। भगत फूल सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

प्रो. सुदेश ने विवि कुलपति का पुनः कार्यभार संभाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

- हवन में आहुति डालकर की पहले दिन की शुरुआत, भगत फूल सिंह को किया नमन
- प्रो. सुदेश ने राज्यपाल मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री व हरियाणा सरकार का दोबारा नियुक्ति पर आभार जताया

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) खानपुर कलां में कुलपति प्रो सुदेश का कार्यकाल पुनः 3 साल के लिए बढ़ा दिया गया है। गुरुवार को कुलपति पद का पुनः कार्यभार संभालते हुए प्रो. सुदेश ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री व हरियाणा सरकार का नियुक्ति पर आभार जताया। उन्होंने दिन की शुरुआत भगत फूल सिंह की समाधि स्थल पर हवन में आहुति डाल कर की। तत्पश्चात भगत फूल सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्होंने विवि के अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्बोधित किया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने भगत फूल सिंह व बहन सुभाषिनी को नमन करते हुए कहा कि यह एक तपोभूमि है। उन्होंने कहा कि उन्हें हवन से ऊर्जा मिलती है तथा और अधिक काम करने की शक्ति मिलती है। उसने जब महिला विवि में पहली बार कुलपति का पदभार संभाला था और जो काम करने का संकल्प लिया था वो कार्य काफी हद तक पूर्ण हो गए हैं। इस नए कार्यकाल में नेए संकल्प और नए उद्देश्यों के साथ काम करना है। जो कमियां रह गई उनको आत्मसात कर नए कार्य को पूरा करने की दिशा में सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ेंगे। प्रो. सुदेश ने कहा कि हम सब एक ही परिवार के सदस्य है केवल किरदार सब का अलग-अलग है। सभी अपना काम निष्ठा से करें। हरियाणा सरकार ने जो भरोसा हम पर जताया है उसको पूरा करने के लिए सभी के सहयोग की जरूरत है। मेरे लिए सभी अधिकारी व कर्मचारी महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मेरी ताकत मेरा विवि परिवार है। जिस किसी के पास जो भी अच्छा विचार है वो साझा करें। सकारात्मक और विकासशील विचार हमेशा आमंत्रित है। हवन में महिला विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो शिवालिक यादव ने भी आहुति डाली।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विवि के सभी विभाग अध्यक्ष, डीन, इंचार्ज और कर्मचारी उपास्थित रहे।

Scanned with CamScanner

कुलपति ने हवन कर संभाला कार्यभार

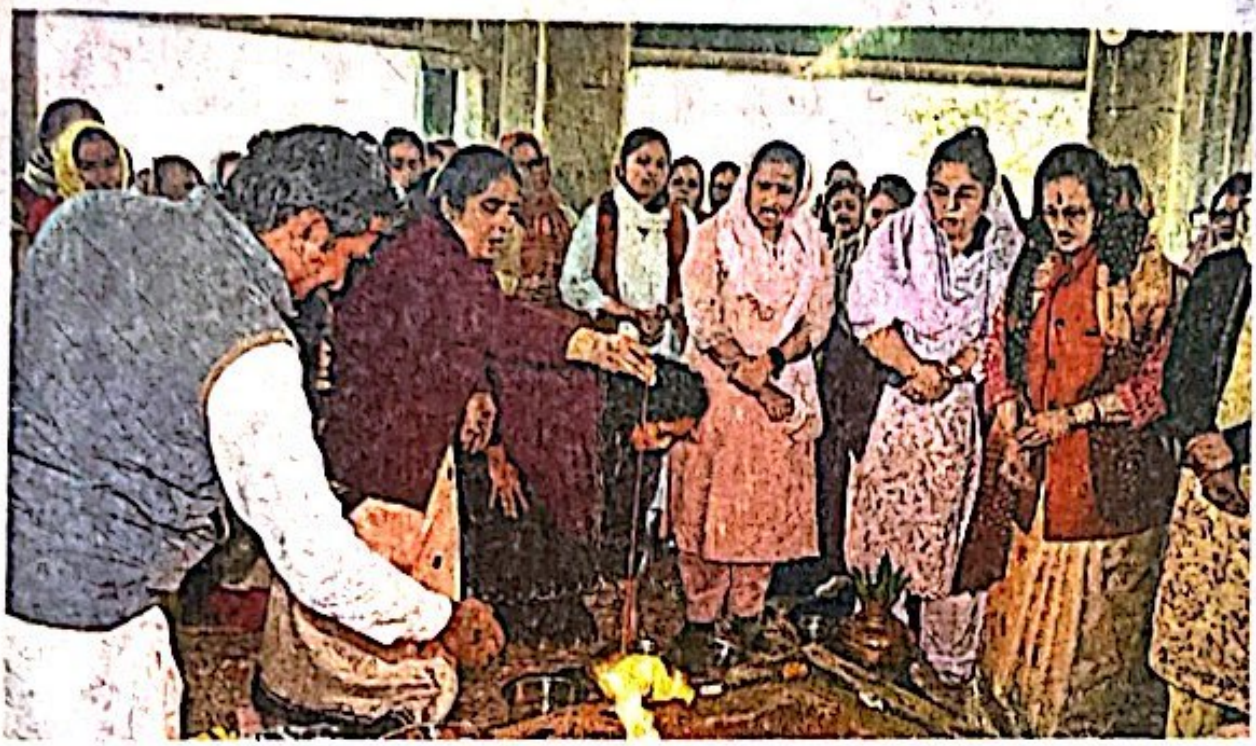

विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. सुदेश, कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव और प्राध्यापक हवन में आहुति डालते हुए • सौ. प्रवक्ता

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में कुलपति प्रो. सुदेश का कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ाया गया। गुरुवार को कुलपति ने हवन में अधिकारियों के साथ आहुति डाली और कार्यभार संभाला। कुलपति ने भगत फूल सिंह की समाधि स्थल के सामने नमन भी किया और उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। कुलपति प्रो. सुदेश ने भगत फूल सिंह व बहन सुभाषिणी को नमन करते हुए कहा कि यह एक तपोभूमि है। नए कार्यकाल में नए संकल्प और नए उद्देश्यों के साथ काम करना है। जो कमियां रह गईं उनको आत्मसात कर नए कार्य को पूरा करने की दिशा में सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ेंगे।

Scanned with CamScanner

बेटी के जन्म से पहले की सोच को बदलने की जरूरत: श्रोत्रिय

स्मारिका का विमोचन करते हुए गोहाना की एस.डी.एम. अंजलि श्रोत्रिय व अन्य। (अरोड़ा)

गोहाना, 6 मार्च (अरोड़ा): महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में गुरुवार को स्त्री-पुरुष समानता में नागरिक दायित्व विषय पर राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ बतौर मुख्यातिथि एस.डी.एम. अंजलि श्रोत्रिय ने किया।

उन्होंने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि बेटी के जन्म से पहले हमारे भीतर जो सोच होती है, सबसे पहले उस सोच को बदलने की जरूरत है। आज भी महिला और पुरुष को समानता की दृष्टि से नहीं देखा जाता, यदि महिलाओं को बराबरी का अवसर मिलेगा तो अवश्य ही प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति करेंगी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान ने बेटियों के प्रति समाज की सोच को बदला है। जहां पहले लोग बच्चों को पढ़ाने और खेलों में भेजने में परहेज करते थे, लेकिन आज हर परिवार अपनी बेटी को बेटों के समान अधिकार देता है। बेटियों के प्रति जो सोच में परिवर्तन आया है, उसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। आज हमारी बेटियां खेल हों या शिक्षा हर क्षेत्र में फतेह कर अपने माता-पिता का नाम रोशन कर रही हैं।

मुख्य वक्ता चन्द्रभूषण ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों की समझ होना अति आवश्यक है। चुप रहना किसी समस्या का समाधान नहीं है बल्कि अपने हक के लिए आवाज उठाना प्रत्येक स्त्री का कर्त्तव्य है।

इंदिरा राठौर ने कहा कि आज महिला प्रत्येक क्षेत्र में अपने को साबित कर रही है। आज के समय में जब स्त्री स्वयं निर्णय लेने में सक्षम होगी तभी स्त्री सशक्तिकरण की परिभाषा को चरितार्थ करेंगी।

गीता गहलावत ने लैंगिक-संवेदनशील पुलिसिंग और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण पॉक्सो एक्ट को लेकर जागरूक किया। इस मौके पर जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी गीता गहलावत, सी.डी.पी.ओ. निर्मला, सुशीला व जसवंती, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राजीव रंजन, एस.एच.ओ. सदर महिपाल सिंह, दुर्गा शक्ति वाहनी, एस.एच.ओ. सुदेश रानी आदि मौजूद रहे।

Scanned with CamScanner

प्रो. सुदेश ने 3 साल के दूसरे विस्तार के बाद संभाला वी.सी. का कार्यभार

गोहाना, 6 मार्च (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में वी.सी. प्रो सुदेश का कार्यकाल पुन: 3 साल के लिए बढ़ा दिया गया है। गुरुवार को वी.सी. के पद का पुन: कार्यभार संभालते हुए प्रो. सुदेश ने राज्यपाल, सी.एम. और शिक्षा मंत्री का नियुक्ति पर आभार जताया। प्रो. सुदेश ने दिन की शुरूआत भगत फूल सिंह के समाधि स्थल पर हवन यज्ञ में आहुति डाल कर की।

भगत फूल सिंह की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन भेंट करते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश व अन्य। (अरोड़ा)

वी.सी. प्रो. सुदेश ने भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी को नमन करते हुए कहा कि यह एक तपोभूमि है। उन्होंने कहा कि उन्हें हवन से ऊर्जा मिलती है तथा और अधिक काम करने की शक्ति मिलती है। प्रो. सुदेश ने कहा कि जब महिला विश्वविद्यालय में पहली बार वी.सी. का पदभार संभाला था और जो काम करने के संकल्प लिए थे, वे कार्य काफी हद तक पूर्ण हो गए हैं। नए कार्यकाल में नए संकल्प और नए उद्देश्यों के साथ काम करने का प्रण करना है।

उन्होंने आगे कहा कि महिला विश्वविद्यालय के विकास के लिए जो लक्ष्य उन्होंने निर्धारित किए हैं, उसमें जो लोग उनका साथ दे रहे हैं, वे ही उनके अपने है। उनकी ताकत उनका विश्वविद्यालय परिवार है। हवन में महिला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने भी आहुति डाली।

Scanned with CamScanner

महिलाओं को बराबरी का अवसर दिया जाए

गोहाना। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में वीरवार को स्त्री पुरुष समानता में नागरिक दायित्व विषय पर राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्यातिथि एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय ने कहा कि बेटी के जन्म से पहले हमारे भीतर जो सोच होती है, उसको बदलने की जरूरत है। यदि महिलाओं को बराबरी का अवसर मिलेगा तो अवश्य ही प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति करेंगी। उन्होंने कहा कि आज बेटियां खेल हो या शिक्षा हर क्षेत्र में कामयाबी का परचम फहरा रही है और अपने माता-पिता का नाम रोशन कर रही है। मुख्य वक्ता लेखक चंद्रभूषण ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों की समझ होना आवश्यक है। इंदिरा राठौर ने कहा कि आज महिला प्रत्येक क्षेत्र में अपने को साबित कर रही है। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी गीता गहलावत ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं में संचालित आंतरिक शिकायत समितियों की हिस्सेदारी से शैक्षणिक परिसरों में विद्यार्थियों से आंतरिक संवाद करना है। इस दौरान सीडीपीओ निर्मला, सुशीला व जसवंती, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राजीव रंजन, सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर महिपाल सिंह, दुर्गा शक्ति वाहनी एसएचओ सुदेश रानी, डॉ. मंजू पंवार भी मौजूद रहे। संवाद

Scanned with CamScanner

Women varsity VC's term extended by 3 yrs

TRIBUNE NEWS SERVICE

SONEPAT, MARCH 6

Prof Sudesh's term as the Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalya Vice-Chancellor was extended by three years on Wednesday.

The decision has been taken by Governor Bandaru Dattatreya, the Chancellor of the varsity, in accordance with the Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalya Act, 2008.

The extension was made effective on March 5. The original tenure of the VC ended on March 4. While taking charge as the Vice-Chancellor again, Prof Sudesh expressed her gratitude to the Governor, Chief Minister, Education Minister and the state government for the appointment.

She said every possible effort would be made to take the university to new heights by faithfully discharging the responsibility given to her once again by the state government.

The VC said the developmental work under way at the university would be expedited

Scanned with CamScanner